भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 875
दिनांक 26 जुलाई, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

भावी वैश्विक महामारियों से निपटने की तैयारी

875. **श्री देवेन्द्र सिंह उर्फ भोले सिंह:**
श्री पी. सी. मोहन:
डॉ. निशिकान्त दुबे:
श्री खगेन मुर्मु:
सुश्री कंगना रनौत:
श्री विष्णु दयाल राम:
श्री बिप्लब कुमार देब:
श्री धर्मबीर सिंह:
श्रीमती कमलजीत सहरावत:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा भावी वैश्विक महामारियों से निपटने की तैयारी के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है;
(ख) केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है; और
(ग) गत वर्ष के दौरान देश भर में कतिपय बीमारियों के प्रकोप का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): महामारियों के निवारण और उनके विरुद्ध तत्परता एक साझी वैश्विक जिम्मेदारी है। देश में भविष्य की महामारियों/जन स्वास्थ्य आपात स्थितियों से निपटने हेतु बेहतर तैयारी के लिए, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी क्षमताएँ बढ़ाने के लिए अपेक्षित सहायता प्रदान करता है।

रोग निगरानी कार्यकलापों को बढ़ाने के लिए, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) को सुदृढ़ किया है, जो अपेक्षित जन स्वास्थ्य नियंत्रण और निवारण उपायों को लागू करने के

लिए प्रशिक्षित बहु-विषयक त्वरित अनुक्रिया दल (आरआरटी) के माध्यम से अनुक्रिया की विकेन्द्रीकृत प्रणाली को अपनाता है। एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच (आईएचआईपी) के अंतर्गत आईडीएसपी को उन्नत डाटा मॉडलिंग और डाटा विश्लेषणात्मक उपकरणों का उपयोग करने के लिए सभी स्तरों पर सुलभ रियल डाटा रिपोर्टिंग शामिल है।

प्रयोगशालाओं के सुदृढीकरण के तौरपर, आईडीएसपी के तहत, राज्यों ने जिला और राज्य स्तर पर प्रयोगशालाओं को सुदृढ़ किया है। इसके अलावा, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने समय पर प्रयोगशाला आधारित रोगज़नक़ों के निदान के लिए प्रयोगशालाओं के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क को दृढ़ करने के लिए 150 से अधिक वायरस अनुसंधान और निदान प्रयोगशालाओं (वीआरडीएल) का नेटवर्क स्थापित किया है। इसके अलावा, शीर्ष प्रयोगशाला के रूप में पुणे में राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) के अलावा जम्मू, जबलपुर, डिब्रूगढ़ और बेंगलुरु में चार क्षेत्रीय एनआईवी स्थापित किए जा रहे हैं। आईसीएमआर ने प्रकोपों के दौरान, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में आवश्यक ऑन-साइट नैदानिक सेवाएं प्रदान करने के लिए दो मोबाइल बीएसएल-3 प्रयोगशालाएं विकसित की हैं। इसके अलावा, आईसीएमआर द्वारा मानव, पशु, पौधे और पर्यावरणीय स्वास्थ्य क्षेत्रों में एकीकृत और समग्र अनुसंधान और विकास करने के लिए नागपुर में नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर वन हेल्थ (एनआईओएच) की स्थापना की जा रही है।

केंद्रीय क्षेत्र की योजना, स्वास्थ्य क्षेत्र आपदा तत्परता और अनुक्रिया के अंतर्गत देश भर में अस्पताल की तैयारी, स्वास्थ्य क्षेत्र आपदा तत्परता और अनुक्रिया, आपदा स्थितियों में मनोवैज्ञानिक-सामाजिक परिचर्या आदि जैसे पहलुओं के सबंध में क्षमता निर्माण की अनेक पहलें की जाती हैं।

जन स्वास्थ्य आपात स्थितियों के प्रति देश को बेहतर ढंग से तैयार करने के दीर्घकालिक लक्ष्य के साथ, किसी भी नई और उभरती हुई बीमारियों की पहचान और उसका प्रबंधन करने के लिए प्राथमिक, मध्यम और विशिष्ट स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केंद्रों और संस्थानों की क्षमता बढ़ाने के लिए प्रधान मंत्री- आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) शुरू किया गया है।

(ख): महामारी जैसी जन स्वास्थ्य आपात स्थितियों के कारण किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान, स्वास्थ्य अवसंरचना के सुदृढीकरण, प्रयोगशाला नेटवर्क के विस्तार, निगरानी, चिकित्सा लोजेस्टिक(रसद) की खरीद आदि के लिए भारत कोविड-19 आपातकालीन अनुक्रिया और स्वास्थ्य प्रणाली तत्परता पैकेज (ईसीआरपी-I) के तहत राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को 8473.73 करोड़ रुपए की निधियां निर्गमित की गई है। भारत कोविड-19 आपातकालीन अनुक्रिया और स्वास्थ्य प्रणाली तत्परता पैकेज-चरण II के तहत, राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को स्वास्थ्य अवसंरचना बढ़ाने और चिकित्सा लोजेस्टिक के प्रदायगी के लिए 12,740.22 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की गई। इसके अलावा, बेहतर जन स्वास्थ्य तत्परताओं के लिए पीएम-एबीएचआईएम (वित्त वर्ष 2021-24) के तहत केंद्रीय अनुदान के रूप में 3,619.82 करोड़ रुपए निर्गत किए गए हैं।

(ग): राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, विगत वर्ष आईडीएसपी को तीव्र डायरिया रोग, चिकन पोक्स, हैजा आदि सहित कुल 1,862 बीमारियों के प्रकोप की सूचना दी गई।

****